प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड ने IIT (ISM) धनबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

कोलकाता- 03-01-2023

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (ISM), धनबाद के बीच आज कोलकाता में एचसीएल कॉर्पोरेट कार्यालय में एचसीएल के सीएमडी श्री अरुण कुमार शुक्ल और आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के निदेशक प्रोफेसर राजीव शेखर की गरिमामय उपस्थिति में सहयोगी और प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

श्री अरुण कुमार शुक्ल, अ.प्र.नि., एच.सी.एल. और प्रोफेसर राजीव शेखर, निदेशक, IIT(ISM) धनबाद ने एच.सी.एल. के निगमित कार्यालय, कोलकाता में आज समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

IIT (ISM), धनबाद के साथ सहयोग, अपने इतिहास में पहली बार एचसीएल के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बनाता है, जो भारत में एकमात्र ताम्र खनिक है, जो तांबा अयस्क के सभी परिचालन खनन लीजों का मालिक है। वर्तमान में, अधिकांश अयस्क उत्पादन केवल भूमिगत माध्यम से होता है और अयस्क उत्पादन का स्तर प्रति वर्ष लगभग 4 मिलियन टन है।

श्री अरुण कुमार शुक्ल, अ.प्र.नि., एच.सी.एल. और श्री संजीव कुमार सिंह, निदेशक (खनन) IIT (ISM) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

अयस्क निकाय की जटिल भूवैज्ञानिक विशेषताओं और खनन की बढ़ती गहराई के कारण उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और उभरते स्थायित्व के मुद्दों से निपटने के साथ-साथ तकनीकी/प्रचालनात्मक समस्याओं सहित विभिन्न भू-तकनीकी और भूजल संबंधी मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है।

एचसीएल अपनी अयस्क उत्पादन क्षमता में लगभग 3 गुना वृद्धि के साथ अपने विस्तार के चरण में है, जिसमें परियोजनाओं में विकास गतिविधियां या तो प्रकृति में चल रही हैं या इसकी अधिकांश खानों में पहले से ही नियोजित हैं। वर्तमान में, व्यापार योजना के अनुसार, खनन किए गए अयस्क को अपने स्वयं के अयस्क परिष्करण संयंत्रों में संसाधित किया जाता है और मेटल्स इन कंसंट्रेट (MI) आंशिक रूप से घरेलू बाजार में और शेष अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेचा जाता है।

IIT-ISM, धनबाद, विशेष रूप से खनिजों के खनन और इसके परिष्करण और पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्रीय ख्याति का संस्थान होने के नाते, एचसीएल के परिकल्पित विस्तार कार्यक्रम को

प्राप्त करने के लिए उभरते भूवैज्ञानिक, तकनीकी, पर्यावरण, संविदात्मक, टिकाऊ और अयस्क लाभकारी मुद्दों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एचसीएल के सीएमडी श्री अरुण कुमार शुक्ल, निदेशक (संचालन) श्री संजय पंजियार, निदेशक (वित्त) श्री घनश्याम शर्मा, निदेशक (खनन) श्री संजीव कुमार सिंह, आईआईटी (ISM), धनबाद के निदेशक प्रोफेसर राजीव शेखर, आईआईटी (ISM) के वरिष्ठ कार्यकारी प्रोफेसर धीरज कुमार, एचसीएल के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारीगण 03.01.2022 को एचसीएल कॉर्पोरेट कार्यालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते समय।

आज हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के साथ खनन विधियों को संशोधित करने, सतत आधार पर खानों में उत्पादकता और सुरक्षा में सुधार, पर्यावरणीय मंजूरी के मुद्दों, विभिन्न हाइड्रोलॉजिकल और हाइड्रो-भूवैज्ञानिक अध्ययनों और भूभौतिकीय अन्वेषण, तांबे के अयस्क की गहराई से खोज के लिए रिमोट सेंसिंग आदि जैसे अपरंपरागत अन्वेषण विधियों के क्षेत्रों में खनन विधियों में संशोधन के माध्यम से तांबा अयस्क उत्पादन बढ़ाने के लिए आईआईटी-आईएसएम से तकनीकी सहायता, मार्गदर्शन और परामर्श कार्य की एचसीएल की आवश्यकता को संबोधित किया जाएगा। कंपनी भारतीय तांबा खनन क्षेत्र में सुधार, अन्वेषण, अयस्क परिष्करण और विभिन्न अन्य सांविधिक/खान विनियमन संशोधनों या संबंधित मुद्दों के क्षेत्रों में कौशल और ज्ञान उन्नयन के लिए एचसीएल इंजीनियरों और प्रबंधकों के प्रशिक्षण और विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को शुरू करने में आईआईटी-आईएसएम के साथ साझेदारी करना चाहती है।

***